दुनिया का सबसे ऊँचा प्राकृतिक मेहराब (आर्च) चीन के पश्चिमी क्षेत्र ''शिन्जिएंग'' में है। इसे खोजने वाले अंग्रेज पर्वतारोही एरिक शिप्टन के नाम पर इसे ''शिप्टन'स आर्च'' नाम दिया गया। यद्यपि स्थानीय निवासी तो लम्बे समय से इस मेहराब से परिचित थे, लेकिन पश्चिमी जगत को 1947 में उस समय इसके बारे में जानकारी मिली, जब एरिक शिप्टन ने, इसे खोजने के बाद, ''माउन्टेन्स ऑफ तार्तरी'' नामक पुस्तक लिखी। ऐरिक शिप्टन उस समय काशहार में ब्रिटिश वाण्ज्यिदूत थे। शिप्टन ने दक्षिण की तरफ से शिप्टन आर्च तक पहुंचने के कई असफल प्रयास किये, पर हर बार ऊँचे-ऊँचे दर्रों, घाटियों तथा चट्टानों की भूलभुलैया में फंसकर रह जाते थे। शिप्टन की खोज के सालों बाद, इस आर्च को ''सर्वाधिक ऊंचे प्राकृतिक आर्च'' के रुप में गिनीज़ बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल करने के लिए सूचीबद्ध किया गया। लेकिन गिनीज़ बुक का सम्पादक मंडल इसकी ऊँचाई का सत्यापन करने के लिये गया, तो वहां उन्हें आर्च नहीं मिला। तब इसे गिनीज़ बुक में शामिल करने का विचार त्याग दिया गया। इस घटना के करीब 50 साल बाद, वर्ष 2000 में, ''नेशनल ज्योग्राफिक'' ने फिर से आर्च खोजने का अभियान स्पॉन्सर किया। बेहतर किस्म के मानचित्रों तथा इलेक्ट्रॉनिक नैविगेशन सिस्टम से युक्त इस ग्रुप को न केवल आर्च ढूंढने में कामयाबी मिली, जिसे गिनीज़ बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सम्पादक नहीं ढूंढ पाये थे, बल्कि यह ग्रुप उसके शिखर तक चढ़ने में भी कामयाब रहा और उपयुक्त मार्ग मिलने के बाद ऊपर पहुँचकर इस आरोही दल ने आर्च की ऊँचाई का मापन किया, ताकि यह बात प्रमाणित एवं सत्यापित हो सके कि, यह दुनिया का सबसे ऊंचा प्राकृतिक आर्च है। इसकी ऊंचाई 1500 फीट (457.2 मीटर) तथा इसका द्वार 1200 फीट (366 मीटर) का है। अब यह क्षेत्र विकसित होकर पर्यटन स्थल का रुप ले चुका है।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा का दूसरी पारी का पेपर निरस्त

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पेपर लीक होने की संभावना और इस संबंध में मुकदमा दर्ज होने के बाद आदेश जारी किए

- पेपर लीक के मामले में एसओजी टीम और राजसमंद पुलिस ने दरिबा में तकनीकी सहायक को गिरफ्तार किया।
- गिरोह के 10 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जयपुर/राजसमंद, 13 नवम्बर (कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से शनिवार को दोपहर की पारी में आयोजित की गई वनरक्षक भर्ती परीक्षा निरस्त कर दी गई है। वहीं पेपर लीक करने के मामले में एसओजी टीम और राजसमंद पुलिस ने दरिबा के बिजली विभाग में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस गिरोह के 10 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद ने इस संबंध में रविवार शाम निर्देश जारी करते हुए कहा कि इस पारी की परीक्षा अब जल्द ही दोबारा आयोजित की जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि राजसमंद पुलिस की ओर से 12 नवंबर को दूसरी पारी में आयोजित की गई परीक्षा के पेपर के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की ओर से दर्ज मुकदमे और एसओजी से प्राप्त प्राथमिक सूचनाओं के आधार पर पेपर लीक होने की संभावना होने से बोर्ड ने दोपहर की पारी में हुए पेपर को निरस्त कर दिया है।

उधर इस मामले में एसओजी टीम और राजसमंद पुलिस ने दरिबा के बिजली विभाग में तकनीकी सहायक दीपक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। उसने प्रश्न पत्र व आंसर शीट को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित वनरक्षक भर्ती परीक्षा पूरे राजस्थान में विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित करवाई गई। शनिवार को एसओजी जयपुर की ओर से रेलमगरा थाना पुलिस को परीक्षा की दूसरी पारी के प्रश्न पत्र की आंसर शीट को परीक्षा शूरू होने से करीब एक घंटे पहले वाटसअप पर प्राप्त कर अन्य अभ्यर्थियों को भेजे जाने की सूचना मिली।

इस पर पुलिस ने पेपर लीक करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर मुख्य आरोपी दरीबा में बिजली विभाग में कार्यरत तकनीकी सहायक दीपक कुमार शर्मा (30) पुत्र नंदलाल शर्मा निवासी जाखौदा सपोटरा जिला करौली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके मोबाइल पर वाट्सएप की जांच कि तो उसमें वनरक्षक भर्ती परीक्षा सम्बन्धित प्रश्न पत्र व शनिवार को दूसरी पारी के प्रश्न पत्र के उत्तर के विकल्प सहित अन्य जानकारी मिली।

एसपी ने बताया कि मामले में अन्य 10 लोगों पवन (33) पुत्र रामलाल माली निवासी महुवाखुर्द गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर, जितेन्द्र कुमार (26) पुत्र लक्ष्मीचंद सैनी निवासी जाखौदा सपोटरा जिला करौली, हेमराज उर्फ हेतराम (24) पुत्र हजारीलाल मीणा निवासी अजयपुरा लालसौट जिला दौसा, गिरीराज (30) पुत्र मूलचन्द मीणा निवासी थली आंधी जिला जयपुर ग्रामीण, योगेन्द्र (27) कप्तान जाट निवासी टोहिला लखनपुर जिला भरतपुर, राजेश (26) पुत्र अर्जुनलाल मीणा निवासी हीरापुर कोट जिला जयपुर ग्रामीण, सांवलराम (28) पुत्र कल्याणमल मीणा निवासी हीरापुर कोट जिला जयपुर ग्रामीण, मनीष (19) सीताराम सैनी निवासी बागडोली बोली जिला सवाईमाधोपुर, विजेन्द्र (24) श्रीलाल सैनी निवासी जाखौदा सपोटरा जिला करौली सहित दिल्ली से अन्य आरोपी भरत चौधरी को हिरासत में लिया है। पुलिस इन सभी से पूछताछ करने में जुटी है।

एसपी चौधरी ने बताया कि आरोपी दीपक से पूछताछ में सामने आया कि पेपर की सूचना पवन पुत्र श्यामलाल सैनी निवासी गंगापुर सिटी सवाईमाधोपुर ने उसके वाटसअप पर वॉइस कॉल के जरिए शनिवार को दूसरी पारी के पेपर से एक घंटा पहले दी। इस दौरान आंसर शीट पांच लाख रुपए में उपलब्ध कराने की बात तय हुई। दीपक ने परीक्षा प्रश्न मय आंसर शीट उसके परिचित जितेन्द्र कुमार सैनी व हेतराम को परीक्षा से पहले वाटसअप नम्बर पर 6-6 लाख रुपयों में भेजे। चौधरी ने बताया कि दूसरी पारी के मूल प्रश्न पत्र की आंसर शीट का मिलान करने पर 62 प्रश्नों के विकल्प आरोपी दीपक शर्मा के वाट्सअप पर पाए गए। इस पर पुलिस ने पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि 2300 पदों के लिए हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा के 12 नवंबर के दूसरी पारी की आंसर शीट शनिवार को पेपर शुरू होने से पूर्व ही राजसमंद के रेलमगरा थाना क्षेत्र में वायरल हो गई थी।

जिसके बाद इस मामले में पुलिस ने करौली के दीपक शर्मा को हिरासत में लिया था। दीपक ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि दौसा में लालसोट क्षेत्र के गांव अजयपुरा के हेमराज मीणा से उसने पेपर लिया। पुलिस की स्पेशल टीम ने परीक्षा देकर लौटते वक्त मोबाइल लोकेशन ट्रेस के आधार पर लालसोट रेलवे स्टेशन के पास से हेमराज मीणा को दबोचा। दौसा के पीजी कॉलेज में हेमराज का सेंटर आया था। हेमराज ने परीक्षा शुरू होने के साथ ही आंसर शीट भेजने की बात स्वीकार की है। कोतवाली पुलिस हेमराज से भी पूछताछ कर रही है।

सचिन पायलट को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया जा रहा है?

अपने गृह जिले जोधपुर में यह सवाल सुनते ही मुख्यमंत्री गहलोत असहज हो गए और बिना जवाब दिए रवाना हुए

- जुलाई 2020 के बाद से यह सवाल आज भी यूं ही बना हुआ है, लेकिन कांग्रेस आलाकमान जवाब नहीं ढूंढ पा रहा है।
- अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले इस सवाल का जवाब मिलेगा या फिर परिस्थितियों में बड़ा बदलाव होने वाला है।

जयपुर/ जोधपुर, 13 नवम्बर (का.प्र.) । 11 जुलाई 2020 को सचिन पायलट ने राजस्थान के उपमख्यमंत्री रहते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को चुनौती देते हुए दावा किया था कि, अशोक गहलोत अल्पमत में आ चुके हैं और 30 विधायक उनके खिलाफ हैं। उसके बाद से आज सवा 2 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अशोक गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं और सचिन पायलट सिर्फ विधायक हैं। लेकिन आज भी सचिन पायलट के नाम पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत असहज हो जाते हैं। रविवार को जोधपुर में एक महिला पत्रकार का यह सवाल कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया जा रहा है, इस पर भी अशोक गहलोत असहज हो गए और बिना जवाब दिए ही रवाना हो गए हैं।

दरअसल राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में पिछले करीब ढाई साल से जो स्थिति बनी हुई है, उससे कोई भी अछूता नहीं है। मुख्यमंत्री के तौर पर अशोक गहलोत बने हुए हैं, तो दूसरी ओर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट किसी भी तरह से अशोक गहलोत को चुनौती देने के मामले में पीछे नहीं रहना चाहते। तमाम स्थितियों, परिस्थितियों के बावजूद अभी तक कांग्रेस आलाकमान जो कि, अभी तक तो कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी थी, वहीं अब कांग्रेस अध्यक्ष पद पर गैर गांधी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए मलिकार्जुन खड़गे हैं, यह अभी तक तय नहीं कर पा रहे हैं कि, आखिरकार राजस्थान में होना क्या है। यही कारण है कि राजस्थान कांग्रेस ने आलाकमान को जो सीधी चुनौती, जिसमें कि समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इसके बाद आलाकमान की ओर से तीन नेताओं को नोटिस भी दिए गए थे, लेकिन इतना होने के बावजूद आज भी आलाकमान ना तो समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाने वालों के खिलाफ कुछ कर पाया है, ना यह तय कर पाया है कि, राजस्थान कांग्रेस में जो टकराव बना हुआ है, उसे कैसे खत्म किया जाए।

इन सारी बातों के बीच आज भी एक सवाल सबसे बड़ा जो बना हुआ है। वह यह है कि, क्या आलाकमान से मिलने अपने 18 साथियों के साथ दिल्ली मानेसर गए हुए सचिन पायलट को पार्टी आलाकमान आगे आने वाले समय में किस स्थिति में देखना चाहता है। यहां यह बात तो बहुत महत्वपूर्ण है कि, सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव, मध्यप्रदेश विधानसभा उपचुनाव, आसाम विधानसभा चुनाव, हिमाचल विधानसभा चुनाव में बतौर स्टार प्रचारक तो काम लेना चाहता है, लेकिन क्या जिस वादे के साथ उन्हें राजस्थान भेजा गया था, वह वादा भी निभाना चाहता है। यहां यह बात भी महत्वपूर्ण है कि, क्या वास्तव में सचिन पायलट से कांग्रेस आलाकमान ने कोई वादा किया था। या सिर्फ पायलट समर्थक ही इस बात का प्रचार कर रहे हैं। इस बात का खुलासा भी या तो गांधी परिवार कर सकता है, या उस परिवार के नजदीकी लोग इस बात का खुलासा कर सकते हैं। इन बातों का खुलासा नहीं होता है तब तक हर दिन नया सवाल खड़ा होता रहेगा।

इन सभी सवालों के बीच अब 3 दिसंबर से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश करने वाली है। जिस क्षेत्र में यह यात्रा प्रवेश करेगी, वहां से लेकर जिस क्षेत्र से यह यात्रा राजस्थान से बाहर जाएगी, उस तमाम क्षेत्र में सचिन पायलट का वर्चस्व माना जाता है।

भारत जोड़ो यात्रा के लिहाज से तो यह वर्चस्व सकारात्मक है, लेकिन यदि इस क्षेत्र से गुजरने के दौरान राहुल गांधी की यात्रा में सचिन पायलट के चाहने या नहीं चाहने के बावजूद कुछ इस तरह की बातें हो जाती हैं, जो कि राजनीति में सहज नहीं कही जा सकती, तो कांग्रेस इन बातों को किस तरह से लेगी, यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि, 2 दिन पूर्व जयपुर में प्रियंका गांधी के बेहद नजदीकी माने जाने वाले नेता आचार्य प्रमोद कृष्णन ने राजस्थान को लेकर कहा है कि, यहां के लिये कांग्रेस आलाकमान फैसला ले चुका, जिसे सुनाया जाना बाकी है।

अब इस बात में भी सवाल यही है कि यह फैसला क्या 3 दिसंबर से पहले सुनाया जाएगा या फिर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान से जाने के बाद यह फैसला होगा। इन दोनों ही परिस्थितियों में सचिन पायलट के समर्थक और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ रहने वाले विधायक किस तरह का व्यवहार करते हैं, यह बात बहुत महत्वपूर्ण है।

वैसे तो 25 सितंबर को जब कांग्रेस आलाकमान की ओर से राजस्थान में विधायक दल का नेता चुनने के लिए मलिकार्जुन खड़गे, जो कि अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन चुके हैं और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन को भेजा गया था। उस दौरान समानांतर बैठक बुलाई गई थी और उसी आधार पर तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। 50 दिन के बावजूद ना तो उन तीन नेताओं पर कोई कार्यवाही हुई और ना कांग्रेस आलाकमान यह तय कर पाया कि उसे करना क्या है। उसके बाद से ही अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। अब देखना यह है कि जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं और 3 दिसंबर को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश कर रही है। उस यात्रा से पहले क्या कांग्रेस आलाकमान बड़ा फैसला लेने वाला है, या फिर यात्रा के दौरान होने वाली घटनाएं राजस्थान कांग्रेस की परिस्थितियों को बदलने वाली है।

मुंबई एयरपोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की ईंटें छिपाकर रखी थीं।

अधिकारियों ने यू.ए.ई. की बनी 53 किलो सोने की ईंटें बरामद की हैं। यह बेल्ट दोहा में एक सूडानी नागरिक ने उसे दी थी। एयरपोर्ट पर ट्रांजिट के समय चुपके से उसे यह बेल्ट दे दी गई थी। चार लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया और कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इस सोने की कीमत 28 करोड़ रुपये के लगभग बताई गई है।

इसी तरह दुबई से आने वाले तीन लोगों के पास से 8 किलो सोना बरामद किया गया जिसकी कीमत 3.88 करोड़ रुपये बरामद किया गया। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं। वे वैक्स के रूप में सोना लाए थे। इस सोने के कमर के पास छिपाया गया था। इसमें से एक महिला ऐसी भी थी जिसकी उम्र 60 साल के आसपास थी। वह व्हीलचेयर पर थी। इन तीनों को भी गिरफ्तार करके हिरासत में भेज दिया गया है।

भारत के पहले निजी रॉकेट की लॉन्चिंग टली

खराब मौसम रॉकेट की समय पर लॉन्चिंग में परेशानी बना, अब 18 नवम्बर के बाद लॉन्च करने का कार्यक्रम तय हुआ

- हैदराबाद स्थित कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने देश का पहला निजी रॉकेट विकसित किया है। रॉकेट लॉन्चिंग के लिए पहले 15 नवंबर की तारीख निर्धारित की गयी थी।
- इस मिशन के साथ स्काईरूट अंतरिक्ष में रॉकेट प्रक्षेपित करने वाली भारत की पहली निजी अंतरिक्ष कंपनी बनने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी।

हैदराबाद, 13 नवम्बर। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने रविवार को कहा कि खराब मौसम की वजह से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट विक्रम-एस का उप-कक्षीय प्रक्षेपण तीन दिनों के लिए (18 नवंबर तक) स्थगित हो गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण, हमें श्रीहरिकोटा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट प्रक्षेपण के लिए 15-19 नवंबर तक एक नयी विंडो दी गई है, जिसकी सबसे संभावित तारीख 18 नवंबर को सुबह 11.30 बजे है। प्रक्षेपण के लिए पहले 15 नवंबर की तारीख निर्धारित की गयी थी।

स्काईरूट एयरोस्पेस का प्रारम्भ नामक पहला मिशन दो भारतीय और एक विदेशी ग्राहकों के अंतरिक्ष उपकरण (पेलोड) को ले जाएगा और श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपण को तैयार है। इस मिशन को स्काईरूट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है, क्योंकि यह उन 80 प्रतिशत तकनीकों को मान्यता दिलाने में मदद करेगा, जिनका उपयोग विक्रम-1 कक्षीय वाहन में किया जाएगा, जिसे अगले साल प्रक्षेपित करने की योजना है। स्काईरूट के एक प्रवक्ता ने कहा, जिस प्रमुख क्षेत्र की हम बारीकी से निगरानी करेंगे, वह हमारे ठोस ईंधन वाले रॉकेट इंजन कलाम -1 का प्रदर्शन होगा।

चेन्नई स्थित एयरोस्पेस स्टार्टअप स्पेसकिड्ज भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड फन-सैट प्रक्षेपित करेगा। इस मिशन के साथ स्काईरूट अंतरिक्ष में रॉकेट प्रक्षेपित करने वाली भारत की पहली निजी अंतरिक्ष कंपनी बनने को तैयार है। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए इसे 2020 में खोला गया था।

चुनाव आते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खिलाफ कांग्रेसी नेताओं के गलत शब्दों को भाजपा भुना लेती है। पी.एम. पर अटैक होता है तो भाजपा इसे कांग्रेस की मानसिकता बताने लगती है। इस तरह वह आम जनता की सहानुभूति हासिल कर लेती है। नतीजा, कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार पूरे देश में कमजोर होता चला जा रहा है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी लगातार हावी होती गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ गलत शब्दों का इस्तेमाल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसमें राहुल गांधी तक का नाम शामिल है। इसके अलावा मणिशंकर अय्यर, सुबोधकांत सहाय, रणदीप सुरजेवाला, अलका लांबा, शेख हुसैन, अजय राय भी यह कारनामा अंजाम दे चुके हैं। अब इन कांग्रेसी नेताओं की जुबान फिसल जाती है या फिर वह किसी रणनीति के तहत ऐसा करते हैं यह तो वही जाने, लेकिन लांग टर्म में यह कांग्रेस के लिए कहीं से भी फायदा पहुंचाने वाली नहीं दिख रही।

कांग्रेस ने कमल के निशान से जी-20 के लोगो के राजनीतिकरण का आरोप लगाया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, कमल का फूल देश की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, 1857 की आजादी की लड़ाई में भी कमल की भूमिका रही थी

- कांग्रेस ने इस लोगो पर निशाना साधते हुए कहा था कि, जी-20 के लोगो में भाजपा के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल चौकाने वाला है। कांग्रेस ने कहा था कि, प्रधानमंत्री प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ते।
- कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा था कि, पं. जवाहरलाल नेहरू ने कांग्रेस के झण्डे को राष्ट्र ध्वज बनाने से इनकार कर दिया था, लेकिन आज भाजपा अपने चुनाव चिह्न का इस्तेमाल जी-20 के लोगो में कर रही है।

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। जी-20 के नए लोगो पर सवाल उठाने वालों पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जमकर निशाना साधा है। असल में जी20 के लोगो में कमल का निशान होने को लेकर सवाल उठाए गए थे। अगले महीने से भारत जी 20 की अध्यक्षता करने जा रहा है। इसी सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी 20 का नए लोगो का अनावरण किया था। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इस बार जी 20 का मंत्र है, एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य। उन्होंने कहा था कि इस लोगो में कमल कठिन समय में उम्मीद की किरण दिखाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरियाणा के झज्जर में एक जनसभा में कहा, हमारी विरासत को लेकर भी सवाल उठाए जाते हैं। ये हमारे भारत की अस्मिता से जुड़े हुए प्रतीक हैं। जी-20 यानी दुनिया के ऐसे देशों का सम्मेलन यहां होने जा रहा है जो कि दुनिया की 85 फीसदी अर्थव्यवस्था पर पकड़ रखते हैं। ऐसे सारे बड़े बड़े सम्मेलन भारत में होने जा रहा है। उस सम्मेलन के लिए हमारे प्रधानमंत्री ने लोगो जारी किया। लोगो में कमल का फूल बना हुआ है। कमल का फूल देखकर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और कहा कि कमल का फूल तो भाजपा का चुनाव चिह्न है। उन्होंने कहा, आरोप लगाने की भी एक सीमा होती है। सच्चाई यह है कि कमल का फूल भारत में ही सरकार ने 1950 में राष्ट्रीय पुष्प घोषित कर दिया था। कमल का फूल देश की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। 1857 में पहले संग्राम के वक्त तो आजादी के मतवालों ने एक हाथ में रोटी और दूसरे में कमल का फूल लेकर लड़ाई लड़ी। क्या यह करके प्रधानमंत्री ने कोई अपराध किया? यानी किसी राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न पंजा है तो क्या पंजा ही काट देना चाहिए। क्या किसी का चुनाव चिह्न साइकल है तो साइकल पर बैठना ही नहीं चाहिए?

हवा में टकराकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वीडियो भी शेयर किए गए हैं। इनमें से एक में नजर आ रहा है कि बहुत ज्यादा ऊंचाई पर नहीं उड़ रहे दो विमान पंखों के जरिए टकरा गए। एक्सीडेंट के तुरंत बाद ही दोनों विमान आग का गोला बनकर जमीन पर गिरे। बोल्डर काउंटी शैरिफ ऑफिस की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार, एक मलबे से दो लोगों के शव मिले हैं। जबकि, एक अन्य दूसरे मलबे मे मिला।

इधर, घटना की गंभीरता के मद्देनजर फेडरल एविएशन एडमिनिसट्रेशन और नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने जांच शुरू कर दी है। डेलास मेयर ने ट्वीट किया, जैसे कि आप में कई लोगों ने देखा कि हमारे शहर में एयरशो के दौरान एक दुखद घटना हुई। फिलहाल, पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है या मिली जानकारी की पुष्टि नहीं हो सकी है। नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने घटनास्थल की कमान संभाल ली है। डेलास पुलिस विभाग और डेलास फायर रेस्क्यू की तरफ से मदद पहुंचाई जा रही है।

राष्ट्रपति पर टिप्पणी करने वाले मंत्री का आदिवासी समाज ने भारी विरोध किया

- आदिवासी समाज के लोगों ने तृणमूल के मंत्री की कार रोकी, विवादित बयान देने वाले मंत्री अखिल गिरी के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज।
- अखिल गिरी की टिप्पणी के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने रविवार को बांकुड़ा में सड़क जाम कर दी। कई आदिवासी समितियों के समर्थक आज खटड़ा, बांकुड़ा में सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री ज्योत्सना मंडी की कार को रोक दिया और जोरदार प्रदर्शन किया।

कोलकाता, 13 नवम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले तृणमूल कांग्रेस के नेता अखिल गिरी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने रविवार को गिरी के खिलाफ नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। चटर्जी ने गिरी के खिलाफ आईपीसी और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) अधिनियम की धाराओं के तहत तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी चीफ ममता बनर्जी को गिरी को बर्खास्त कर देना चाहिए और खुद राष्ट्रपति मुर्मू से इस घटना के लिए माफी मांगनी चाहिए।

एफ आई आर दर्ज कराने के बाद चटर्जी ने कहा, ममता बनर्जी को इस मामले पर बयान देना चाहिए। अखिल गिरी उनकी सरकार में मंत्री हैं, उन्हें उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। वे दिल्ली आएं और माफी मांगें। वह जनता के बीच राष्ट्रपति के बारे में बहुत कुछ कह सकती हैं, लेकिन उनके मंत्रियों की यही असली भावना है।

वहीं, अखिल गिरी की टिप्पणी के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने रविवार को बांकुड़ा में सड़क जाम कर दी। कई आदिवासी समितियों के समर्थक आज खटड़ा, बांकुड़ा में सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री ज्योत्सना मंडी की कार को रोक दिया।

हिमाचल में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत दत्तानगर मतदान केन्द्र 49 पर तैनात मतदान दल के छह कर्मियों को तुरंत निलंबित कर दिया।

अमेरिका में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति ट्रंप के लिए 2024 की राह मुश्किल हो सकती है। ट्रंप 2024 में दोबारा चुनाव लड़ना चाहते हैं। वहीं यह चुनाव बाइडन की नीतियों और अब तक उनकी ओर से कराए गए कार्यों और शासन का सोशल ऑडिट जैसा होगा। यदि बाइडन बढ़त को कायम रखते हैं तो यह उनके लिए अच्छा संकेत माना जाएगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908